न्यूज डायरी

भारत को चीन से खतरे के मद्देनजर अपने सैनिकों की तैनाती की समीक्षा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा कि भारत, मलेशिया, इंडोनेशिया, और फिलीपीन जैसे एशियाई देशों को चीन से बढ़ते खतरे के मद्देनजर अमेरिका दुनिया भर में अपने सैनिकों की तैनाती की समीक्षा कर उन्हें इस तरह से तैनात कर रहा है कि वे जरुरत पड़ने पर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (चीन की सेना) का मुकाबला कर सकें। पोम्पिओ ने जर्मन मार्शल फंड के वर्चुअल ब्रसेल्स फोरम 2020 में एक सवाल के जवाब में यह कहा। पोम्पिओ ने कहा, ''हम सुनिश्चित करेंगे कि हमारी तैनाती ऐसी हो कि पीएलए का मुकाबला किया जा सके। हमें लगता है कि यह हमारे समय की यह चुनौती है और हम सुनिश्चित करेंगे कि हमारे पास उससे निपटने के लिए सभी संसाधन उचित जगह पर उपलब्ध हों।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर सैनिकों की तैनाती की समीक्षा की जा रही है।

पीएम इमरान खान ने ओसामा बिन लादेन को बताया शहीद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। आतंकवाद के खात्मे को लेकर पाकिस्तान का क्या रुख है यह प्रधानमंत्री इमरान खान के देश की संसद में दिए बयान से साफ हो रहा है। दुनियाभर में खूंखार आतंकी हमलों को अंजाम देने वाले अल–कायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को खान ने श्शहीदश करार दिया है। खान ने यह बयान ऐसे वक्त में दिया है जब पहले ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के खिलाफ कोई कदम न उठाने और आतंकी संगठनों को पनाह देने का आरोप उस पर लग रहा है। इस्लामाबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने अल–कायदा सरगना और खूंखार आतंकवादी ओसामाबिन लादेन को संसद में शहीद करार दिया है। यही नहीं, खान ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ जंग में अमेरिका का साथ नहीं देना चाहिए था। अमेरिका पर बरसते हुए खान ने कहा कि अमेरिकी फोर्सेज ने पाकिस्तान में घुसकर लादेन को शहीद कर दिया और पाकिस्तान को बताया भी नहीं और इसके बाद पूरी दुनिया पाकिस्तान की ही बेइज्जती करने लगी।

आसियान डिजिटल सम्मेलन में वायरस कोष, दक्षिण चीन सागर संघर्ष रहेंगे मुख्य मुद्दे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हनोई। दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के नेता शुक्रवार को वीडियो के माध्यम से वार्षिक शिखर सम्मेलन का आयोजन कर कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण उत्पन्न हुए विशाल संकट को दूर करने के प्रति एकुजटता दिखाएंगे और क्षेत्रीय आपदा कोष पर चर्चा करेंगे। लंबे समय से चले आ रहे दक्षिण चीन सागर संघर्ष भी इस शिखर सम्मेलन में चर्चा का एक प्रमुख विषय रहेगा। क्षेत्रीय यात्रा प्रतिबंधों एवं स्वास्थ्य जोखिमों के चलते 'दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन' (आसियान) के नेता ऑनलाइन संपर्क करेंगे। आसियान के वर्तमान अध्यक्ष, वियतनाम ने आमने–सामने की बैठकों की योजना बनाई थी लेकिन अधिकतर सदस्य राष्ट्रों ने पाया कि नेताओं के लिए यात्रा करना अब भी जोखिम से भरा हुआ है।

ट्रंप ने न्यायाधीश के तौर पर भारतीय–अमेरिकी को नामित करने की घोषणा की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश की राजधानी में सर्वोच्च अदालत में न्यायाधीश के तौर पर भारतीय–अमेरिकी विजय शंकर को नामित करने की मंशा जताई है। अगर सीनेट शंकर के नाम की पुष्टि करती है तो वह डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया कोर्ट ऑफ अपील्स में एसोसिएट जज के पद पर काम करेंगे। अभी वह न्याय विभाग की अपराध शाखा में वरिष्ठ अभियोग वकील और अपील सेक्शन के उप प्रमुख के पद पर काबिज हैं। न्याय विभाग का 2012 में हिस्सा बनने से पहले शंकर वाशिंगटन डीसी, मेयर ब्राउन के कार्यालय, एलएलसी एंड कोविंगटन एंड बर्लिंग, एलएलपी में निजी तौर पर वकालत कर रहे थे। उन्होंने ड्यूक विश्वविद्यालय से बीए की डिग्री हासिल की और वर्जीनिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ से जेडी की डिग्री प्राप्त की।

सत्ता में बने रहने के लिए सेना की मदद ले रहे ओली

प्रचंड का आरोप, हमें जेल में डालने की तैयारी

तेवर

■प्रचंड ने मांगा पीएम ओली का इस्तीफा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। भारत के साथ सीमा विवाद और नागरिकता को लेकर कड़े तेवर अपना रहे प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी में विवाद गहराता ही जा रहा है। सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की स्टैंडिंग कमेटी की बैठक प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के गले की फांस बनती दिख रही है। नेपाल की सत्ताधारी कम्यूनिस्ट पार्टी के कार्यकारी चेयरमैन पुष्प कमल दहल प्रचंड ने पीएम ओली के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनाना उनकी सबसे बड़ी भूल थी।

तो कुर्सी के लिए सेना का सहारा ले रहे ओलीः प्रचंड ने खुलासा किया कि पीएम ओली खुद की कुर्सी बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ओली प्रधानमंत्री की कुर्सी के लिए नेपाली सेना का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने सुना है कि पीएम ओली सत्ता में बने रहने के लिए पाकिस्तानी, अफगानी या बांग्लादेशी मॉडल को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इस तरह के प्रयास नेपाल में सफल नहीं होंगे।

प्रचंड बोले– मुझे जेल भेजने की तैयारी में ओलीः प्रचंड ने ओली को चेतावनी देते हुए कहा कि कोई भी हमें भ्रष्टाचार के नाम पर जेल नहीं भेज सकता है। सेना की मदद से देश पर शासन करना आसान नहीं है। प्रचंड ने ओली पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के साथ गठबंधन करके या पार्टी को विभाजित कर सरकार चलाना संभव नहीं है।

पीएम ओली के इस्तीफे की मांग तेजः स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में ज्यादातर सदस्यों ने पीएम ओली से इस्तीफे की मांग की है। वहीं ओली ने इस्तीफा देने से साफ इनकार कर दिया है। दोनों नेताओं ने एक दूसरे के ऊपर बैठक के दौरान जमकर आरोप–प्रत्यारोप लगाए हैं। प्रचंड ने जहां सरकार के फेल होने की बात कही, वहीं ओली ने कहा कि प्रचंड ने पार्टी को बर्बाद कर दिया है।

उम्मीदों पर खरी उतरने में विफल सरकारः पार्टी की स्टैंडिंग कमिटी की मीटिंग में दहल ने कहा कि सरकार लोगों की उम्मीदों पर खरी उतरने में विफल रही है। उन्होंने चेयरपर्सन और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली पर अदल–बदलकर पावर शेयरिंग के समझौते का उल्लंघन करने का आरोप भी लगाया। दहल ने कहा, हम पार्टी के एकीकरण के वक्त सरकार को अदल–बदलकर चलाने के लिए सहमत हुए थे लेकिन मैंने खुद अपने कदम पीछे खींच लिए। सरकार का काम देखने के बाद मुझे लग रहा है मैंने ऐसा करके गलती की।

सत्ताधारी पार्टी के नेता विपक्ष की तरह कर रहे बर्ताव

दहल ने यह भी कहा कि अगर सरकार समाजवाद हासिल करने के अपने लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाती है, तो पार्टी को अगले चुनावों में असफलता देखनी पड़ सकती है।

लाठी, डंडा और रॉड... कैसे अपने सैनिकों को हैवान बना रहा चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। 15 जून को गलवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद से ही भारत और चीन के बीच तनाव चरम पर है। शांति की बातचीत के बावजूद चीन सीमा पर अपने फौज का जमावड़ा लगातार बढ़ाता जा रहा है। चूंकि 1996 के समझौते के तहत दोनों देश एलएसी पर हथियारों का इस्तेमाल नहीं कर सकते इसलिए चीन अपने सैनिकों को हैवान बनाने के लिए अब तिब्बती लड़ाकों को भर्ती कर रहा है।

ये लड़ाके लाठी–भाले, डंडा और रॉड के जरिए युद्ध करने में माहिर होते हैं। ऐसे ही सैनिकों के भरोसे चीन अब भारत से युद्ध करने की तैयारी कर रहा है। पीपुल्स डेली की रिपोर्ट के अनुसार, तिब्बत के पठार इलाके में रहने वाले ये लड़ाके चीनी सेना को नुकीली चीज या लाठी, डंडों से लड़ने की ट्रेनिंग भी दे रहे हैं। छद्म युद्ध में माहिर चीन अब इन भाड़े के लड़ाकों के जरिए सीमा विवाद को बढ़ाने के फिराक में है।

भारत और चीन ने दोनों देशों की बीच विश्वास बढ़ाने के लिएच 1996 और 2005 में एक समझौता किया था। जिसके मुताबिक दोनों पक्ष गश्त के दौरान आमना–सामना होने पर एक दूसरे पर गोली नहीं चला सकते हैं। साथ ही दोनों देश एलएसी के दो किमी के दायरे में गश्त के दौरान अपने रायफल के बैरल को भी जमीन की ओर झुकी रखते हैं।

अमेरिका यूं ही नहीं भेज रहा सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती तल्खी अब खतरनाक रूख लेती दिखाई दे रही है। गुरुवार को अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने ऐलान किया कि अमेरिका एशिया में अपनी फौज को बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने चीन के आक्रामक रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि हम भारत और अपने मित्र देशों को चीन से खतरे के मद्देनजर अपने सैनिकों की तैनाती की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने चीन को सीधे तौर पर चेतावनी देते हुए कहा कि जरूरत पड़ी तो अमेरिकी सेना चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से मुकाबला करने को तैयार है। अमेरिका ने पहले ही ताइवान के समीप अपने तीन न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर को तैनात कर दिया है।

अब संसद में हिंदी को बैन करने की तैयारी में नेपाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। भारत विरोधी रूख अपनाए हुए नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अब संसद में हिंदी भाषा को प्रतिबंधित करने पर विचार कर रहे हैं। सत्तारुढ़ नेपाल कम्यूनिस्ट पार्टी में मचे घमासान और देश में सरकार के खिलाफ जारी गुस्से से ध्यान भटकाने के लिए पीएम ओली अब उग्र राष्ट्रवाद का प्रयोग कर रहे हैं। बता दें कि नेपाली सरकार पहले से ही भारत के साथ सीमा विवाद और नागरिकता को लेकर कड़े तेवर दिखा चुकी है।

नेपाली सांसद ने किया विरोध

जनता समाजवादी पार्टी की सांसद और मधेस नेता सरिता गिरी ने नेपाल सरकार के इस फैसले

नेपाली सांसद ने पूछा– क्या चीन से आए हैं निर्देश

को लेकर सदन के अंदर जोरदार विरोध किया। उन्होंने कहा कि ऐसा करके सरकार तराई और मधेशी क्षेत्र में कड़े विरोध को आमंत्रित कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सदन को इतिहास से सीखना चाहिए। उन्होंने ओली सरकार से पूछा कि क्या इसके लिए चीन से निर्देश आए हैं।

नेपाल में हिंदी को बैन करना आसान नहींः नेपाली सरकार के लिए हिंदी भाषा को बैन करना आसान नहीं होगा। बता दें कि नेपाली के बाद इस हिमालयी देश में सबसे ज्यादा मैथिली, भोजपुरी और हिंदी बोली जाती है। नेपाल के तराई क्षेत्र में रहने वाली ज्यादातर आबादी भारतीय भाषाओं का ही प्रयोग करती है। ऐसी स्थिति में अगर नेपाल में हिंदी को बैन करने के लिए कानून लाया जाता है तो तराई क्षेत्र में इसका विरोध देखने को मिल सकता है।

ओली ने किया इस्तीफे से इनकार

जानकारी के अनुसार पीएम केपी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। प्रचंड को पार्टी के भीतर खूब समर्थन भी मिल रहा है। पार्टी के दो पूर्व पीएम और कई सांसदों ने ओली के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वहीं नेपाल की जनता में कोरोना वायरस की त्रासदी को लेकर ओली सरकार के खिलाफ जबरदस्त गुस्सा देखा जा रहा है।

चीन को नेपाली गांव गिफ्ट कर फंसे ओली, अब विपक्षी दलों ने खोला मोर्चा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। चीन को नेपाली गांव गिफ्ट करने के बाद विवादों में फंसे प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पार्टी में उठ रहे बगावती सुर के बाद अब प्रमुख विपक्षी पार्टी नेपाली कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बता दें कि सत्ताधारी नेपाल कम्यूनिस्ट पार्टी के चेयरमैन पुष्प कमल दहल प्रचंड खुलेआम पीएम ओली की आलोचना कर चुके हैं और इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं।

नेपाल की विपक्षी पार्टी नेपाली कांग्रेस ने संसद के निचले सदन में चीन के अतिक्रमण को रेग्युलेट करने की मांग करते हुए प्रस्ताव दिया है। नेपाली कांग्रेस के सांसद देवेंद्र राज कंदेल, सत्य नारायण शर्मा खनाल और संजय कुमार गौतम ने यह प्रस्ताव पेश किया है। इसके मुताबिक, श्चीन ने दोलका, हुमला, सिंधुपलचौक, संखूवसाभा, गोरखा और रसूवा जिलों में 64 हेक्टेयर की जमीन पर अतिक्रमण कर रखा है। पिछले दिनों मीडिया में नेपाल सरकार के कृषि मंत्रालय के सर्वे डिपार्टमेंट की रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया था कि चीन ने 10 जगहों पर कब्जा कर रखा है।